>

Title: Need to revise the school curriculum to lessen burden of course syllabus on children.

श्री सन्दीप दीक्षित (पूर्वी दिल्ली) : सर, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं विशेषकर आजकल क्योंकि दसवीं और बारहवां की परीक्षाएं चल रही हैं। पिछले कई सालों से जिस तरीके से शिक्षा का भार बच्चों पर पड़ रहा है और कई बार करीकुलम की चर्चा होती है लेकिन बच्चों पर भार और उन पर जिस तरीके से एक साइक्लॉजिकल प्रैशर डाला जा रहा है, उस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। हम भयमुक्त समाज की बात करते हैं। सबसे ज्यादा भयभीत आज हमारे दसवीं और बारहवीं कक्षा के बच्चे हैं। जिनके भी बच्चे स्कूल में पड़े हैं, वे जानते हैं कि चार साल बच्चे जिस प्रक्रिया के थ्रू निकलते हैं, उसमें शायद ही कोई ऐसा बच्चा हो जो अपना बचपन न खोता हो। वे बेचारे पढ़ते रहते हैं, कोई ट्यूशन में जा रहा है, कोई क्लास में जा रहा है। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि सीबीएसई और एनसीईआरटी से कहा जाए कि पूरा करीकुलम इस रूप से रिवाइज करें कि बच्चे अपने उन वर्षों में जब उन्हें खेलना चाहिए और कुछ शिक्षा भी प्राप्त करनी चाहिए लेकिन उस समय में कोई बच्चा ट्यूशन के लिए भाग रहा है, कोई रात-रात भर पढ़ रहा है और कोई बच्चा दवाइयां ले रहा है, कोई बच्चा डॉक्टरों के पास जा रहा है और कोई बच्चा साइक्लॉजिस्ट के पास जा रहा है। किस तरीके का बचपन आज हमने निर्मित कर दिया है? आज के हमारे बच्चे मेरे ख्याल से बड़े-बूढ़ों से ज्यादा काम करते हैं और भय में रहते हैं। मैं बड़ी ही विनम्रता से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि पूरा करीकुलम रिवाइज करके एक ऐसा जीवन बच्चों को दिया जाए, एक ऐसी शिक्षा बच्चों को दी जाए जिसमें बच्चे सुख और खुशी से कम से कम अपनी बारहवीं और दसवीं की परीक्षाएं दें।

आज बच्चे सुसाइड करने लगे हैं। इससे ज्यादा शर्म की बात नहीं हो सकती। हम लोग किसानों के सुसाइड की बात करते हैं। आज बच्चे दवाइयां लेने लगे हैं। बच्चे ड्रग्स लेने लगे हैं। बच्चे डरे हुए घूमते हैं, उनके मां-बाप डरे हुए घूमते हैं। इस भय के वातावरण से बच्चों को निकाला जाए। पूरा करीकुलम रिवाइज किया जाए।

MR. SPEAKER: Not only parents are tensed but also grant parents. My grand daughter is appearing for Class X examinations. The whole household is in a tense mood.

I think the entire House, including the Chair, associates with Shri Sandeep Dixit. Thank you. I compliment you for raising this issue.